



HINDUSTANI ACADEMY
Hindi Section

Library No. 1064

Date of Receipt. 19/11/28

॥ श्री गोरवामी तुलसीदास कृत ॥

रामचरित-मानस (रामायण)

द्वितीय सोपान

अयोध्याकाण्ड

श्री विनायकी टीका सहित

जो

वाच्यार्थ, व्यंग्यार्थ, गूढार्थपूरित, शब्दालंकार
और अर्थालंकार अलंकृत तथा विविध
कविवरवाणीविभूषित है.

जिसे

सागर निवासी

स्वर्गीय

साहित्य भूषण पं० विनायकराव कवि "नायक"

असिस्टेण्ट सुपरिण्टेंडेंट रेनिङ्ग इन्स्टिट्यूशन जबलपुर ने

रच कर प्रकाशित किया

" कर्मवीर प्रेम " जबलपुर में मुद्रित हुआ ।

तीसरी बार

सम्बत् १९८१

न्यौछावर

१००० प्रति

सन १९२४ ईस्वी

॥॥॥